नोएडा प्राधिकरण 48 हजार वर्ग मीटर जमीन के व्यावसायिक भूखंड को ऑनलाइन बोली लगाकर बेचेगा

मेट्रो स्टेशन के पास जमीन चाहिए तो स्काईवॉक बनाना होगा

शर्त

नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

सेक्टर-51 व 52 मेट्रो स्टेशन के बीच में स्थित 48 हजार वर्ग मीटर जमीन के व्यावसायिक भूखंड को नोएडा प्राधिकरण ऑनलाइन बोली लगाकर बेचेगा। इसके लिए तीन दिन में योजना लॉन्च कर दी जाएगी। इस भूखंड को खरीदने वाली कंपनी को इन दोनों स्टेशन को जोड़ने के लिए स्काईवॉक बनाना होगा। यह शर्त नोएडा प्राधिकरण ने जोड़ दी है।

इस योजना को लॉन्च करने के लिए सोमवार को नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी पूरी कर ली। यह भूखंड ई-01, सेक्टर-51 में है। सेक्टर-71 चौराहे के पास यह भूखंड सेक्टर-51 व 52 मेट्रो स्टेशन के बीच है। सेक्टर-51 स्टेशन नोएडा-ग्रेनो लाइन व सेक्टर-52 स्टेशन ब्लू लाइन का हिस्सा है। अभी दोनों स्टेशन के बीच लोग स्टेशन से उतरकर ई-रिक्शे के जरिए आ-जा रहे हैं। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

महत्वपूर्ण यह है कि दोनों स्टेशन के बीच व्यावसायिक भूखंड होने के कारण प्राधिकरण खुद स्काईवॉक का निर्माण नहीं कर सकता। ऐसे में इस योजना को लॉन्च करते समय प्राधिकरण ने अब यह शर्त जोड़ दी है कि इसका निर्माण भूखंड खरीदने वाली कंपनी को करना होगा।

इस बारे में नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी राजेश सिंह का कहना है कि इस भूखंड का क्षेत्रफल 48 हजार वर्ग मीटर है। इसका रिजर्व प्राइज 1 लाख 59 हजार प्रति वर्ग मीटर है। इस हिसाब से भूखंड की कीमत 763 करोड़ 20 लाख रुपए है। इस भूखंड को पाने के लिए रिजर्व प्राइज से ज्यादा ऑनलाइन बोली लगानी होगी। इस भूखंड की योजना दो-तीन दिन में लांच कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण ने शर्त लगाई है कि जो भी इस भूखंड को खरीदेगा उसे दोनों स्टेशन के बीच स्काईवॉक बनाना होगा।

बड़े भूखंडों में से एक : नोएडा में स्थित बड़े भूखंडों में से एक यह भूखंड शामिल है। इससे पहले शहर में चल रहे बड़े मॉल को इससे अधिक भूखंड आवंटित हो रखे हैं। इस भूखंड के बिकने से प्राधिकरण को अच्छी आमदनी होगी।

कई कंपनियां लाइन में

इस भूखंड को पाने के लिए आइकिया सहित कई कंपनी लाइन में हैं। इसमें कंपनियां मॉल व अन्य व्यावसायिक चीजें बनाएंगी। इस भूखंड के सामने ही सेक्टर-52 में एक ग्रुप का बड़ा मॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे में सेक्टर-71 चौराहे के पास का यह स्थान लोगों के मनोरंजन व खरीदारी के लिए बड़ा महत्वपूर्ण साबित होगा। आइकिया ने इस भूखंड के लिए एकमुश्त पैसा देने का आश्वासन भी दिया है।

भूखंडों की योजना दोबारा

लगातार योजनाएं लाने के बाद भी प्राधिकरण के करीब 80 व्यावसायिक भूखंड खाली हैं। इसके अलावा 125 से ज्यादा लेपट ओवर स्कीम के तहत भूखंड खाली रह गए थे। ऐसे में प्राधिकरण जल्द ही इन योजनाओं को दोबारा लॉन्च करेगा।